

भाव 2. उग्रस्रवा के पुत्र एवं व्यास के एक शिष्य का नाम, पुराणों के अनुरूप इन्हें सूत भी कहा जाता है।

**लोमांच** पुं. (तत्.) रोंगटे खड़े होने (भय या प्रसन्नता के कारण) का भाव या स्थिति (क्रिया), रोमांच।

**लोमावली** पुं. (तत्.) छाती से नाभि तक उगे हुए कोमल बालों की कतार, छाती पर उगे हुए उदर तक के बालों की पंक्ति, रोमावली।

**लोमाश** पुं. (तत्.) गीदड़, शृगाल।

**लोमाशिका** स्त्री. (तत्.) शृगाली, सियारिन, गीदड़ी।

**लोय** पुं. (तद्.) 1. लोक, लोग स्त्री. ज्वाला, आग की लपट, लौ क्रि.वि. पर्यंत, तक, लौं।

**लोयन** पुं. (तद्.) लोचन, नेत्र, आँख।

**लोर** पुं. (तद्.) 1. कान का आभूषण, कुंडल 2. लटकन 3. आँसू 4. रव, रोर, पुकार वि. 1. चंचल, लोल 2. अभिलाषी, इच्छुक।

**लोरना** अ.क्रि. (तद्.) 1. चंचल होना 2. इधर-उधर झूलना, लहराना, हिलना 3. लेटना (लोटना) 4. लपकना, पाने के लिए उत्सुक होना 5. ललकना 6. लिपटना 7. झुकना स.क्रि. 1. चंचल या चलायमान करना 2. हिलाना-डुलाना 3. झुकाना 4. किसी को नम्र या विनीत बनाना 5. निर्मल या स्वच्छ करना उदा. हमरा जीवन निंदकु लोरै-कबीर।

**लोरिक** पुं. (देश.) 1. प्रेमी 2. लोरिक चंदा नामक गीत का नायक टि. उत्तर प्रदेश की प्रचलित एक गीत कथा के अनुसार आभीर जाति के नायक का चंदा नामक सजातीय युवती से प्रेम हो जाता है।

**लोरी** स्त्री. (तद्.) छोटे बच्चों को झुलाते समय माता या महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले गीत, ललवी।

**लोल** वि. (तद्.) 1. चंचल 2. हिलता हुआ 3. परिवर्तनशील 4. कंपायमान 5. उत्सुक 6. क्षणिक पुं. 1. लिंगेंद्रिय 2. समुद्र में उठने वाली ऊँची तथा बहुत बड़ी लहर स्त्री. चोंच।

**लोलक** पुं. (तत्.) 1. नथ, बाली आदि में लटकते हुए मोती या मोतियों की लड़ी 2. लोलकी, कान की लौ 3. घंटे या घंटी के नीचे बीच में लगा हुआ वह लटकन जिसके इधर-उधर टकराने या हिलने या हिलाने की टकराहट से शब्द या नाद उत्पन्न होता हो।

**लोलकर्ण** वि. (तत्.) 1. कानों से चंचल, अस्थिर या कच्चा, कानों का कच्चा 2. हर किसी की बात सुनकर सहज ही विश्वास कर लेने वाला 3. हर किसी की बात सुनने वाला।

**लोलकी** स्त्री. (देश.) कान की लौ या नीचे का वह कोमल भाग जिसमें छेद करके बाली, कुंडल आदि आभूषण पहने जाते हैं।

**लोलजिह्व** वि. (तत्.) चंचल जीभ से युक्त या चंचल या अस्थिर जीभ वाला, लालची, लोभी पुं. साँप, सर्प।

**लोलदिनेश** पुं. (तत्.) बारह आदित्यों में से एक 1. 'लोलार्क' 2. सूरज, आदित्य।

**लोलना** अ.क्रि. (तद्.) इधर-उधर हिलना-डुलना या लहराना।

**लोला** स्त्री. (तत्.) चंचल प्रकृति वाला व्यक्ति या पदार्थ, 1. लक्ष्मी 2. जीभ, जिह्वा 3. चंचल स्त्री 4. बिजली, विद्युत वि. चंचला या चंचल पुं. सात-सात पर यति और चौदह वर्णों वाला एक वार्षिक छंद जिसमें क्रमशः मगण, सगण, मगण, भगण और दो गुरु वर्ण होते हैं।

**लोलार्क** पुं. (तत्.) बारह आदित्यों में से एक आदित्य।

**लोलित** वि. (तत्.) 1. हिलाया हुआ, हिला हुआ 2. क्षुब्ध।

**लोलिनी** स्त्री. (तत्.) चंचला या चपल स्त्री।

**लोलुप** वि. (तत्.) 1. लालची, लोभी 2. चटोरा 3. किसी वस्तु को पाने के लिए बहुत अधीर, अति उत्सुक।

**लोलुपता** स्त्री. (तत्.) लोलुप होने का भाव या अवस्था।